



An Initiative by **अमरउजाला**

HISTORY BY-
SUJEET BAJPAI SIR

Bengal
mysore
marathas



Bengal
> Nawab \Rightarrow [Murshid Quli Khan]
> Mughal emperor \Rightarrow Farrukh Syar
Weak Ruler

मुर्शिदा

founder of
Autonomous
State of
Bengal स्वयत्



Ali Vardā
khan

ਸ਼ਿਕਾਏ ਦੁਦੌਲੀ



ਸ਼ਹਾਦਤ
= (Nawab)
1756



- प्लासी बंगाल में स्थित है भागीरथी नदी के किनारे
 - सिराजुद्दौला 1756 में बंगाल का नवाब बना था।
 - वह अंग्रेजों की नीतियों से प्रसन्न नहीं था।
-
- Plassey is located in Bengal along the river Bhagirathi
 - Siraj-ud-daula became the Nawab of Bengal in 1756.
 - He was not happy with the british policies.

- इसने अंग्रेजों को बंगाल में किलेबंदी करने से रोका था लेकिन अंग्रेजों ने इंकार कर दिया था।
- नवाब ने अंग्रेजों पर हमला करके उन्हें हरा दिया था ।
- राबर्ट क्लाइव अंग्रेजों की मदद करने के लिये मद्रास से आया था ।
- He had stopped the British from fortification in Bengal but was denied by the British.
- The Nawab had attacked the British and defeated them.
- Robert Clive came from Madras to help the British.



Stras
↑

Holwell (1756)

146

23
✓

123
x

Blackhole
Tragedy

- ❖ कालकोठरी की दुर्घटना के आधार पर प्लासी का युद्ध लड़ा गया था ।
- ❖ कालकोठरी की दुर्घटना की जानकारी हालवेले ने दी थी।

Note:

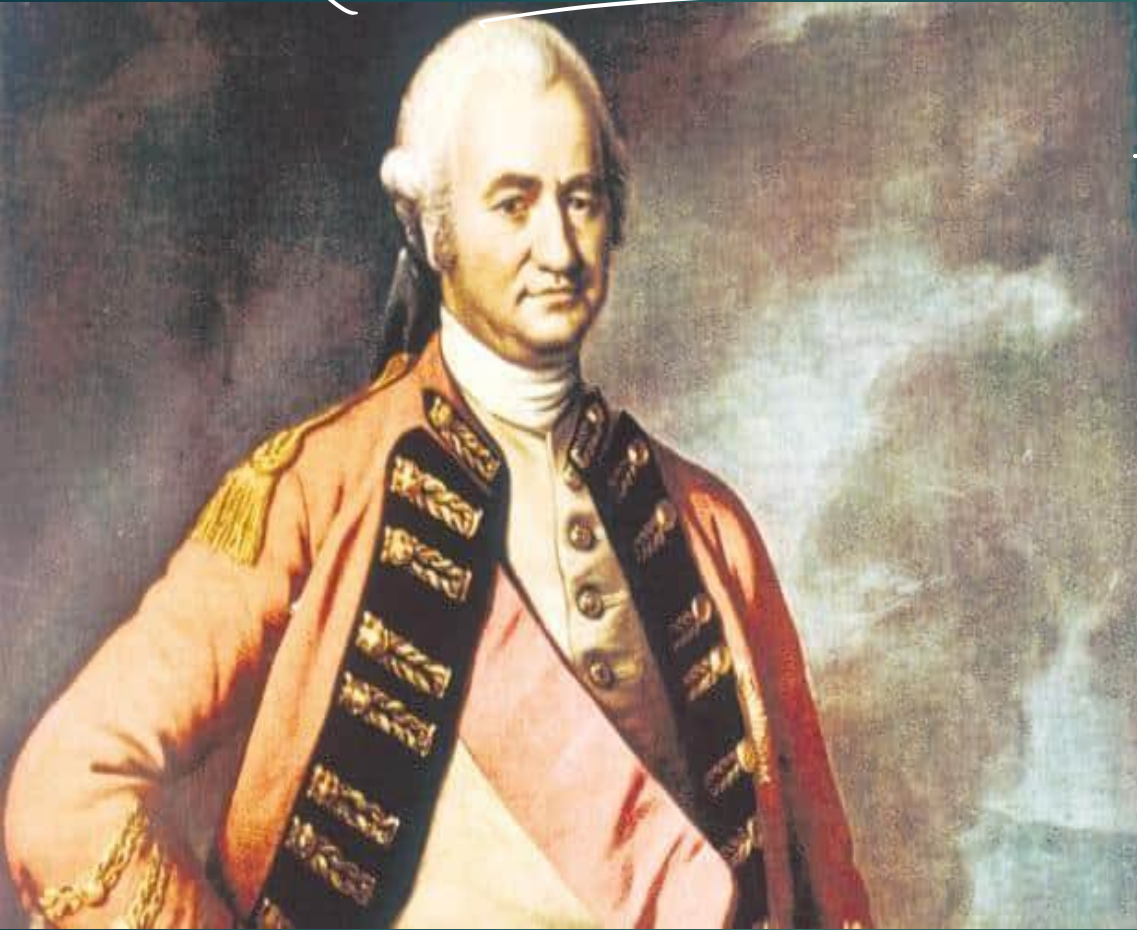
प्लासी के युद्ध के समय दिल्ली का बादशाह आलमगीर-II था ।

- ❖ The Battle of Plassey was fought on the basis of a Black Hole tragedy.
- ❖ Holwell had informed about the Black Hole tragedy.

Note:

The king of Delhi was Alamgir-II at the time of the Battle of Plassey.

Robert clive



Feb. 1757

→
सुरि-Treaty of Alinagar
Robert cl.
→
Sra J.

ਮੀਰ ਗਿਯਾਸ ਮਿਰ ਜ਼ਾਫਰ



Ooch = Bengal
→ mangoes



BATTLE OF PLASSEY

→ 1757
→ River → गंगी

→ Siraj, was killed
by Miran हक.
↳ (son of Mir Zafar)



mir Asaf-ud-Daula
(Son-in-law of
mir Jafar)
(1760-63)



मीर ज़फ़र (1757-1760/1763-1765)

- ❖ मीर जाफर ने 24 परगना की जमींदारी राबर्ट क्लाइव को दी थी।
- ❖ मीर जाफर को इसके दामाद मीर कासिम के द्वारा हटाया गया था ।
- ❖ मीर जाफर दो बार बंगाल का नवाब बना था ।
- ❖ Mir Jafar had given 24 Pargana's zamindari to Robert Clive.
- ❖ Mir Jafar was removed by his son-in-law Mir Qasim.
- ❖ Mir Jafar became the Nawab of Bengal twice.

मीर कासिम (1760-1763)

- ❖ इसने मुंगेर में एक शस्त्र कारखाने की स्थापना की थी।
- ❖ बंगाल की राजधानी को मुर्शिदाबाद से मुंगेर ले गया था।
- ❖ इसने दस्तक के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास किया था।
- ❖ He had set up an arms factory in Munger.
- ❖ He shifted capital of Bengal from Murshidabad to Munger.
- ❖ He had attempted to prevent the misuse of the *Dastak*.

Bengal

बिहार

दस्तक (1717)

- ❖ दस्तक ईस्ट इंडिया कंपनी को दिया गया मुफ्त व्यापारिक अधिकार था।
- ❖ यह व्यापारिक अधिकार मुगल बादशाह फर्रुखसियर (1713-1719) ने दिया था।
John Surman (1717) ←
- ❖ Dastak was a free trading right given to the East India Company.
- ❖ This trade right was given by Mughal emperor Farrukhsier (1713-1719).

BATTLE OF BUXAR



Bihar &
River गंगा

→ 1764

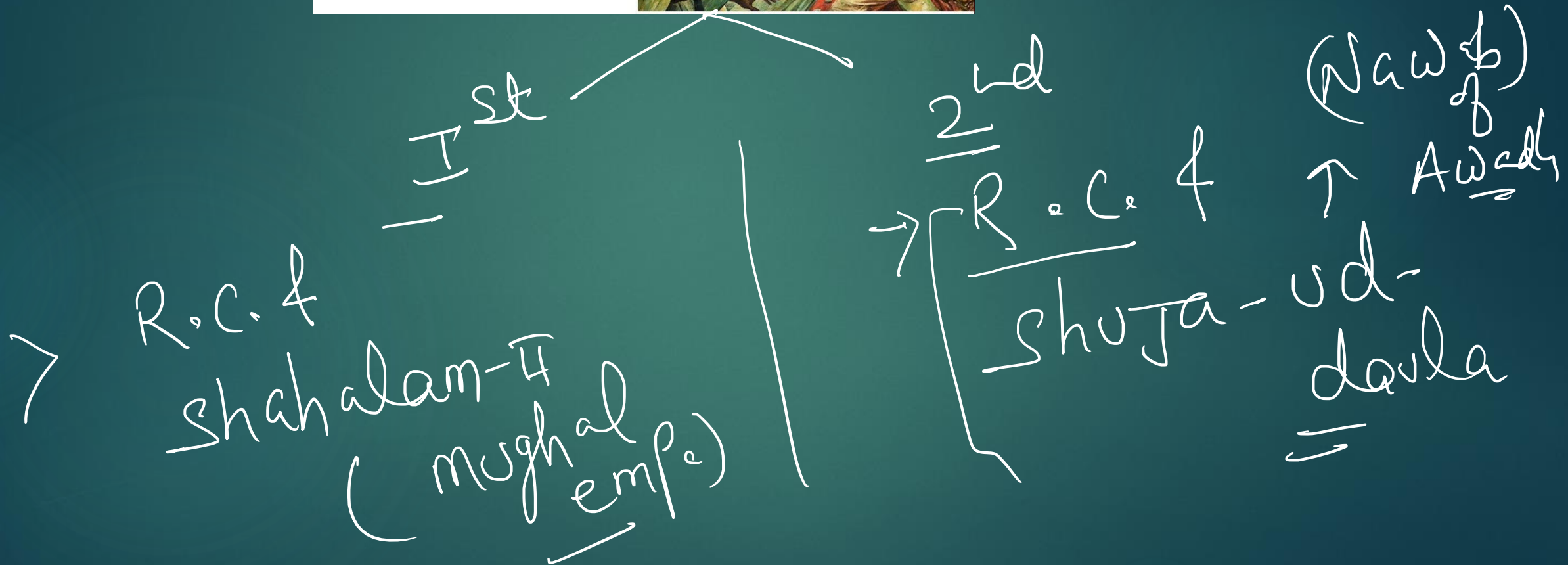
7K

killed → 50K Indian
m. Qasim
Shuja-ud-daula
Shah Alam-II

- ①
- ②
- ③

British
→ Hector Munro
won

Treaty of Allahabad 1765



Dyarchy in Bengal

बंगाल में द्वैधशासन(1765) → Nawab

- द्वैधशासन का विचार लियो कार्टिस ने दिया था ।
- इस विचार को रॉबर्ट क्लाइव ने लागू किया था ।
- द्वैधशासन का अंत वारेन हेस्टिंग्स ने 1772 में किया था ।

→ Nizam-ud-daula

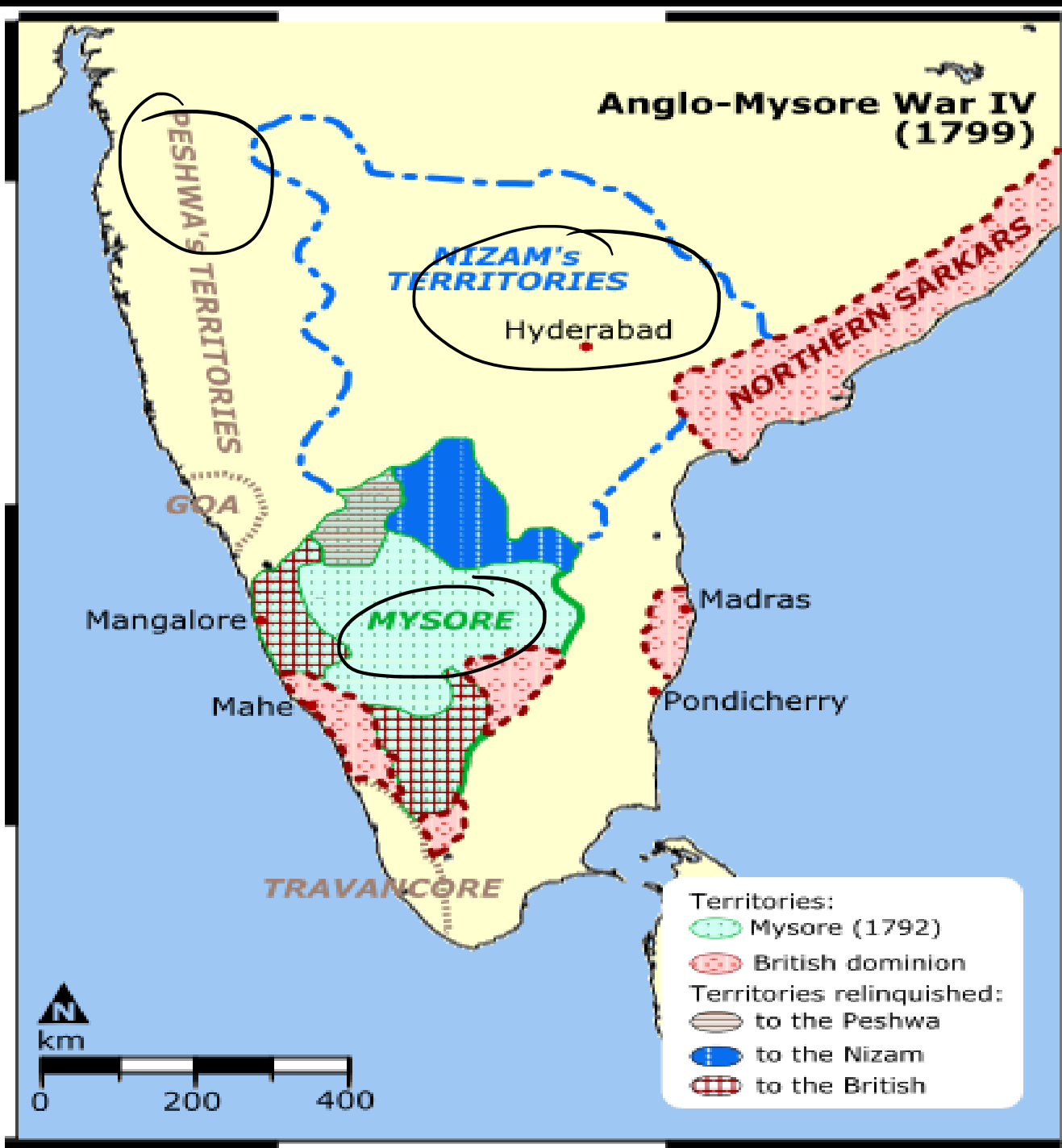
- The idea of dyarchy was given by Leo Cartis.
- The idea was dyarchy implemented by Robert Clive.
- The dyarchy was ended by Warren Hastings in 1772.

मैसूर का उदय हैदर अली और टीपू सुल्तान

॥

मैसूर

- ❖ मैसूर के स्वायत्त राज्य की स्थापना कृष्णराज व उसके मंत्रियों नानाराज और देवराज ने की थी।
- ❖ The autonomous state of Mysore was founded by Krishnaraj and his ministers Nanaraj and Devaraj.



Spice High oil

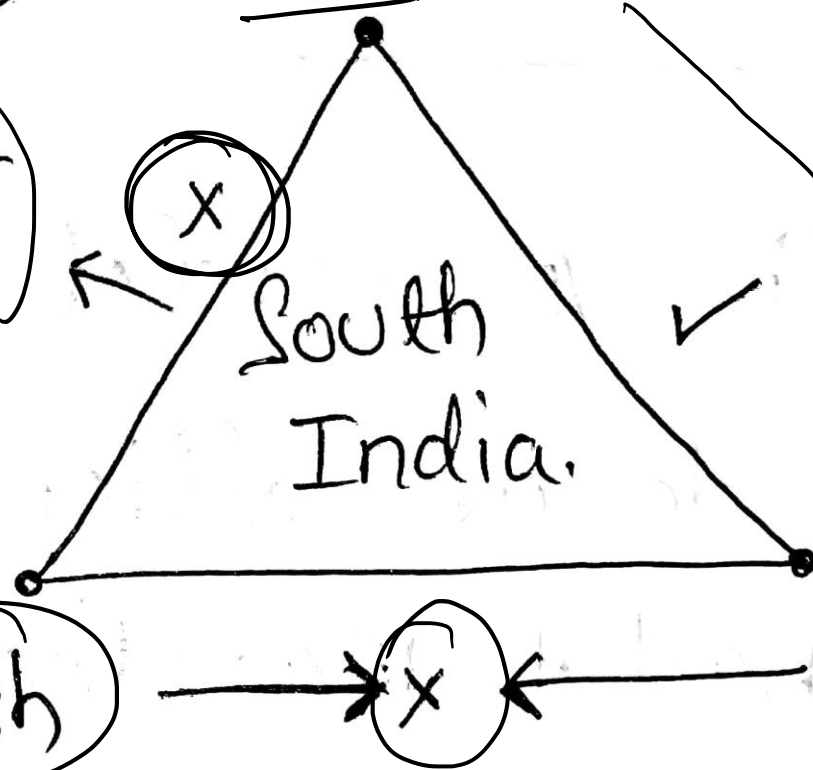
Hyder Ali/ Tipu Sultan

(Malabar Coast)

South India.

British

[French]






Haider Ali

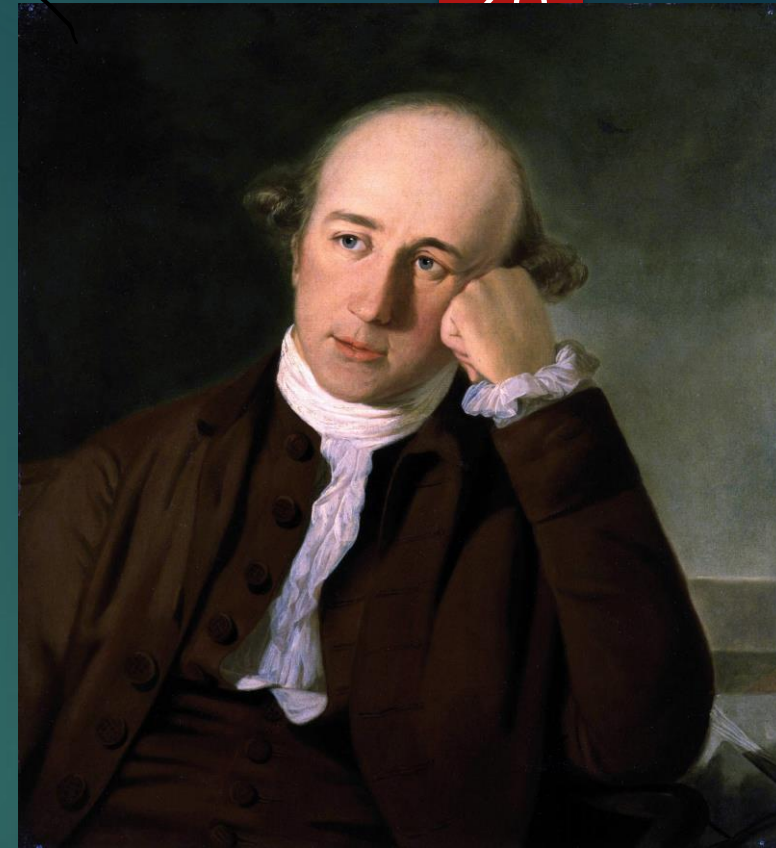
- 1749 - Sepoy

→ [1761 - King] =



Warren
Hastings

→ (1767-69)
→ Treaty = 
[Madras]



L Haider
(won)



1780-84

(died - 1782)

Eyrecoot



Portonovo (Tamil-nadu)

Tipu Sultan



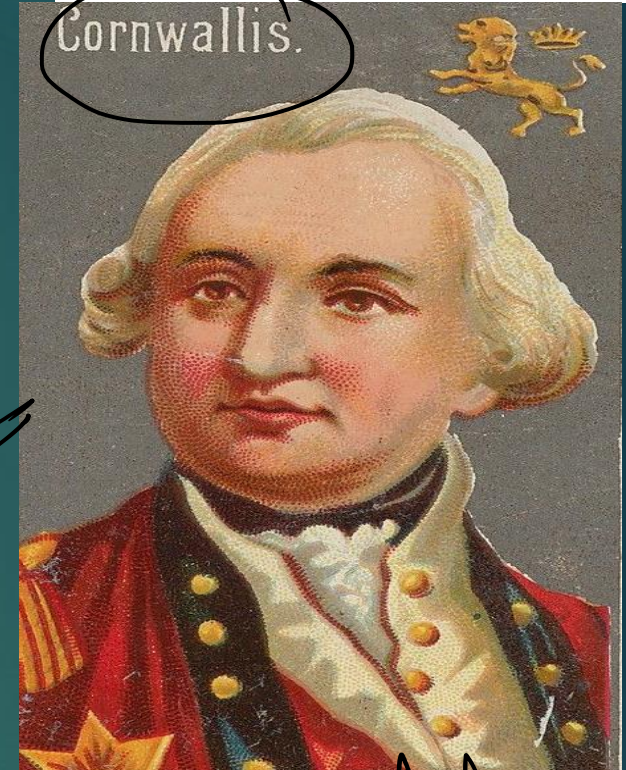
3rd Anglo
mysore
war

II

(1790-92)

1792 — Treaty
of Srirangapatnam

Cornwallis.



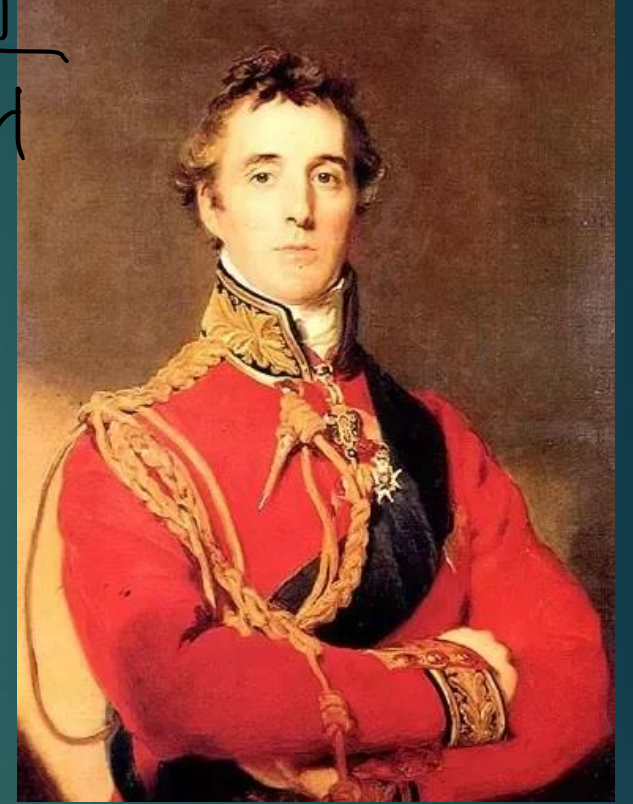
⇒ Rangapatnam



1799

- Tipu was
killed

Wellesley
बेलेवल



हैदर अली

- ❖ हैदर अली वडयार वंश को हराकर सत्ता में आया था ।
- ❖ हैदर ने डिडींगुल में एक शस्त्र कारखाने की स्थापना की थी ।
- ❖ हैदर ने अंग्रेजों को पहले आंग्ल- मैसूर युद्ध में हराया था ।
- ❖ Haider Ali came to power by defeating vadyar dynasty.
- ❖ Haider had set up an arms factory in Didingul.
- ❖ Haider defeated the British in the first Anglo-Mysore war.

- ❖ प्रथम आंग्ल- मैसूर युद्ध का अंत मद्रास की संधि से हुआ था ।
- ❖ मद्रास की संधि पर हैदर अली और वारेन हेस्टिंग्स ने की थी ।
- ❖ हैदर की मृत्यु दूसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध के समय हुयी थी ।
- ❖ दूसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध के समय आयरकूट. ने हैदर अली को
- ❖ पोर्टोनोवो के युद्ध में 1782 में हराया था ।
- ❖ हैदर अली की मृत्यु के बाद उसका पुत्र टीपू सुल्तान सत्ता में आया था ।

- ❖ The first Anglo-Mysore war came to an end with the Madras Treaty.
- ❖ The Madras Treaty was signed by Haider Ali and Warren Hastings.
- ❖ Haider died during the second Anglo-Mysore war.
- ❖ Eyrecoot defeated Haider Ali during the 2nd Anglo-Mysore War in the Battle of Portonново was in 1782.
- ❖ Tipu Sultan (Son of Haider Ali) came to power after Haider Ali's death.

टीपू सुल्तान(1782--99)

- ❖ दूसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध का अंत मंगलौर की संधि से हुआ था ।
- ❖ मंगलौर की संधि पर वारेन हेस्टिंग्स और टीपू सुल्तान ने हस्ताक्षर किये थे । 1784
- ❖ टीपू ने जैकोबिन क्लब (फ्रांस में लोकतंत्र के समर्थकों को जैकोबिन कहते थे) की सदस्यता ली थी ।

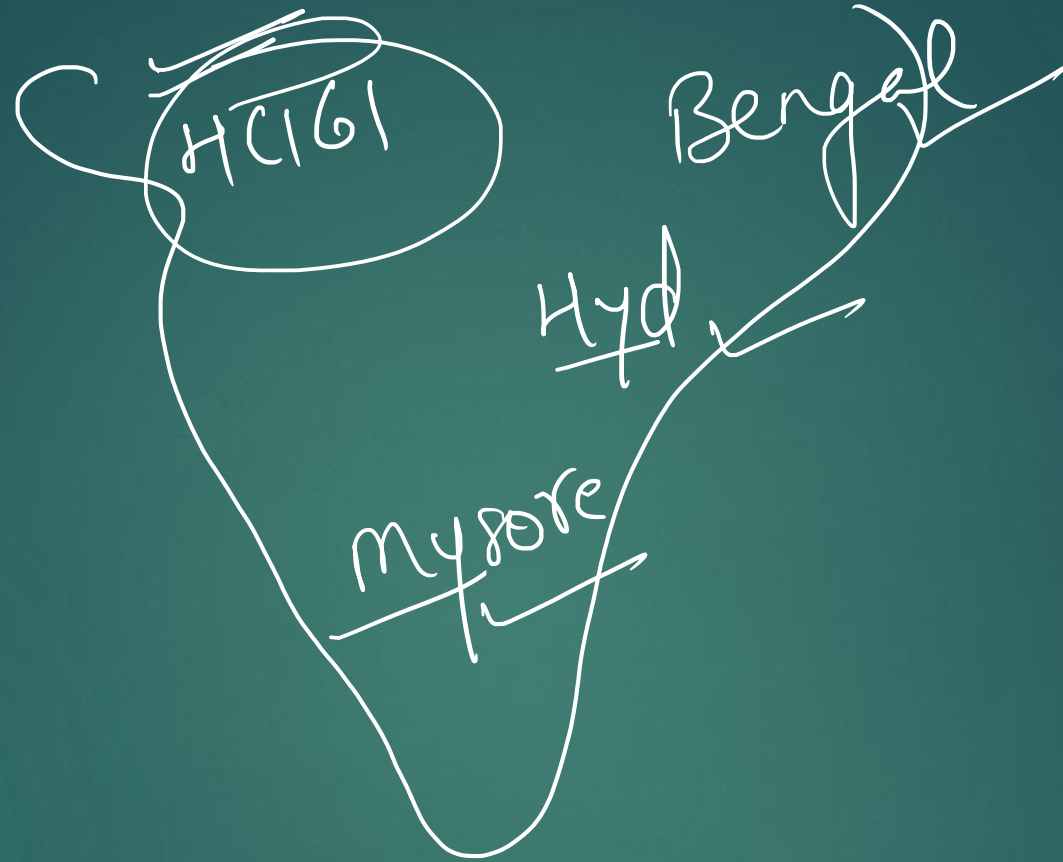
Tipu Sultan(1782-99)

- ❖ The second Anglo-Mysore war came to an end with the Treaty of Mangalore.
- ❖ The Treaty of Mangalore was signed by Warren Hastings and Tipu Sultan.
- ❖ Tipu had subscribed to the Jacobin Club (Supporters for democracy in France called Jacobin).

- टीपू ने मैसूर में स्वतंत्रता के वृक्ष की स्थापना की थी ।
- टीपू ने मैसूर में नए सिक्के और नया कलेंडर आरम्भ करवाया था ।
- कार्नवालिस ने टीपू सुल्तान को तीसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध में हराया था ।
- Tipu had established the Tree of Independence in Mysore.
- Tipu started new coins and new calendars in Mysore.
- Cornawalis defeated Tipu Sultan in the third Anglo-Mysore war.

- तीसरे आंग्ल- मैसूर युद्ध का अंत श्री रंगपट्टनम संधि से हुआ था ।
- चौथे आंग्ल- मैसूर युद्ध के समय वेलेस्ली ने 1799 में टीपू सुल्तान की हत्या कर दी थी।
- टीपू सुल्तान की हत्या श्री रंगपट्टनम में हुयी थी ।

- ❖ The third Anglo-Mysore war came to an end with the Sri Rangapatnam Treaty.
- ❖ Wellesely assassinated Tipu Sultan in 1799 during the 4th Anglo-Mysore War.
- ❖ Tipu Sultan was murdered in Sri Rangpattinam.





मराठा साम्राज्य MARATHA EMPIRE



मराठा

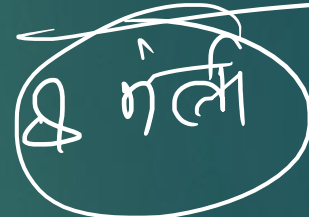
- ❖ मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी थे ।
- ❖ माता : जीजाबाई
- ❖ शिक्षक : रामदास, तुकाराम, कोंडदेव
- ❖ पिता : शाह जी
- ❖ जन्म स्थान : शिवनेर दुर्ग (1627)
- ❖ राजधानी – रायगढ़
- ❖ पुरंदर की संधि (1665) : शिवाजी और जयसिंह के बीच

Maratha

- ❖ Shivaji was the founder of the Maratha Empire.
- ❖ Mother: Jijabai
- ❖ Teachers: Ramdas, Tukaram, Kond dev
- ❖ Father: Shah Ji
- ❖ Place of Birth: Shivner Durg (1627)
- ❖ Capital - Raigarh (महाराष्ट्र)
- ❖ The Treaty of Purandar (1665) : Between Shivaji and Jai Singh

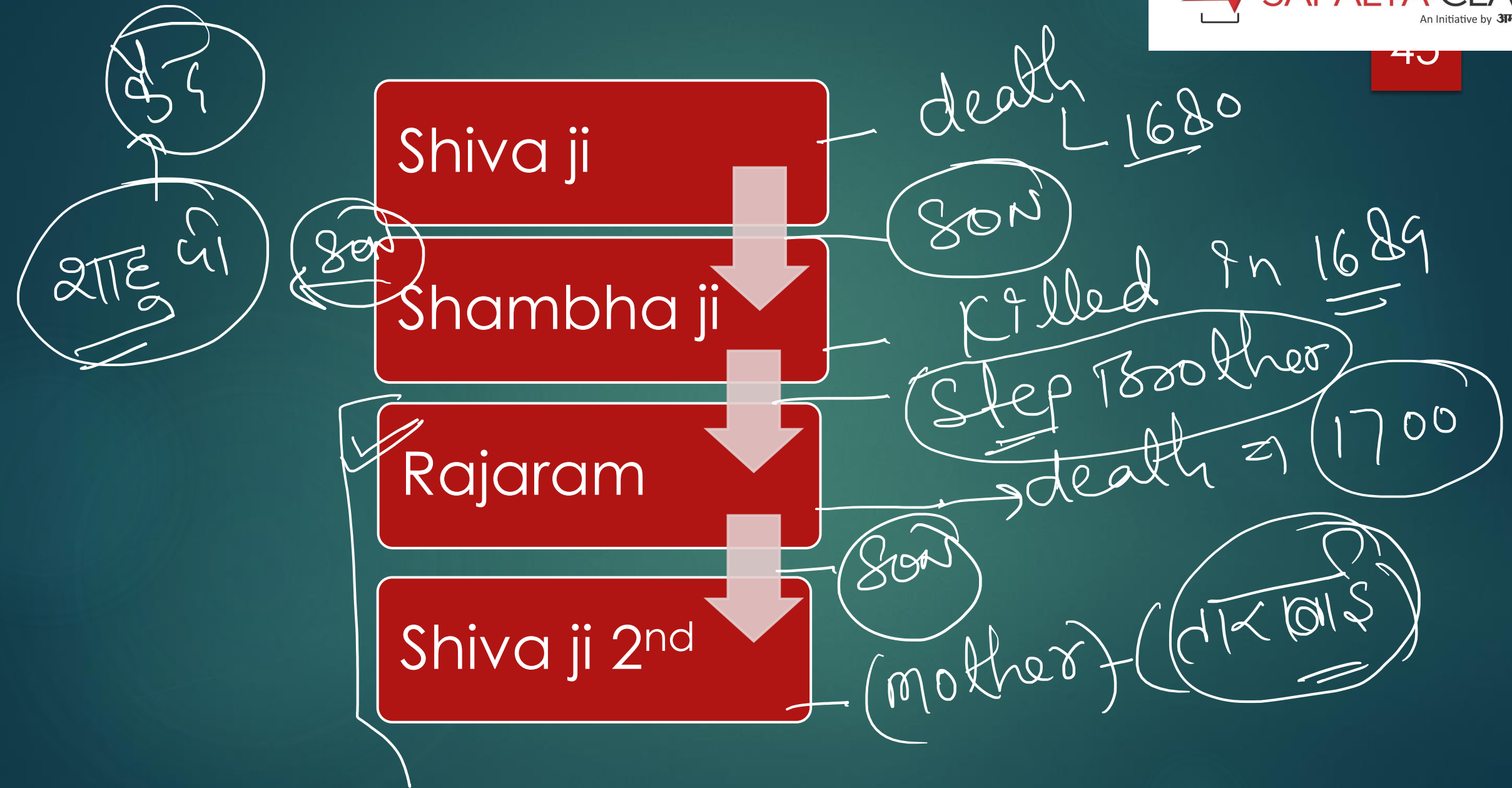
- ❖ शिवाजी का राज्याभिषेक – गंगाधर भट्ट ने 1674 में किया था ।
- ❖ शिवाजी ने अपनी मंत्रिपरिषद् के रूप में अष्टप्रधान की स्थापना की थी।
- ❖ पेशवा अष्टप्रधान का प्रमुख था ।
- ❖ मोरोपंत पिंगले पहला पेशवा था ।
- ❖ Title of Shivaji – छत्रपति

★ He looked Surat 2 Times

- ❖ Shivaji's coronation was performed by Gangadhar Bhatt in 1674.
- ❖ Shivaji had established Ashpradhan as his Council of Ministers.
- ❖ Peshwa was the head of Ashpradhan. 
- ❖ Moropant Pingle was the first peshwa.
- ❖ Title of Shivaji - Chhatrapati

कर :

1. चौथ Chauth – $1/4^{\text{th}}$ of produce उपज का $1/4^{\text{th}}$
2. सरदेशमुखी Sardeshmukhi – $1/10^{\text{th}}$ of income आय का $1/10^{\text{th}}$







— शिखा दी

शाहू जी





रिगि

शिवा दी - 2⁵⁰





Rani Tarabai,
Queen of the
Marathas

- शाहू ने ताराबाई को बालाजी विश्वनाथ की मदद से हराया था ।
- इसके बाद मराठों का इतिहास पेशवाओं के इतिहास में बदल गया।
- Note :
 - ❖ अष्टछाप- भक्ति कवि
 - ❖ अष्टदिग्गज- 8 तेलुगु कवि

- ❖ Shahu defeated Tarabai with the help of Balaji Vishwanath.
- ❖ After this the history of the Marathas changed in the history of the Peshwas.

Note:

Ashtchaap - Bhakti Kavi

Ashtadiggaj - 8 Telugu Poets

पेशवाओं के बारे में :

1. बाला जी विश्वनाथ (1713-20)

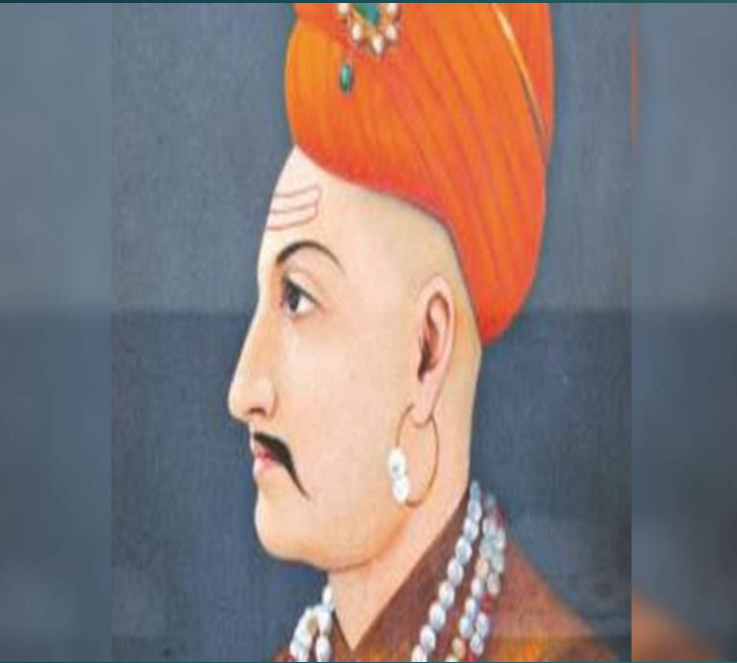
- ❖ ये पहले शक्तिशाली पेशवा थे।
- ❖ इन्होंने पेशवा के पद को अपने परिवार के लिए स्थायी बना दिया था ।

About Peshwas:

1. Bala Ji Viswanath (1713-20)

- ❖ He was the first powerful Peshwa.
- ❖ He made the post of Peshwa permanent for his family.

बाला की विश्वाङ्क
(1713-20)



बाजीराव - Ist

(1720-40)

- most powerful





बालाजी बाजीराव का शासनकाल

(1740-1761)

1761

3rd Battle
of Panipat

2. बाजीराव प्रथम (1720-1740)

- ❖ यह सर्वाधिक शक्तिशाली पेशवा था ।
- ❖ ये पहले पेशवा थे जिन्होंने दिल्ली पर आक्रमण किया ।

2. Bajirao 1st (1720-1740)

- ❖ He was the most powerful peshwa.
- ❖ He was the first peshwa who invaded Delhi.

3. बालाजी बाजीराव: (1740-1761)

- ❖ इसे नानासाहब भी कहते थे ।
- ❖ पानीपत का तीसरा युद्ध इसी के समय में हुआ था।
- ❖ पानीपत के तीसरे युद्ध (1761) में अफगान सेनापति अहमद-शाह-अब्दाली ने मराठा सेनापति सदा शिव राव को हराया था ।

3. Balaji Bajirao: (1740-1761)

- ❖ He was also called Nana Sahab.
- ❖ The third war of Panipat happened in his time.
- ❖ In the Third War of Panipat (1761), Afghan general Ahmed-Shah-Abdali defeated Maratha Senapati Sada Shiv Rao.

मराठों के अंग्रेजों के साथ युद्ध

प्रथम युद्ध : (1775-1782)

- ❖ यह युद्ध रघुनाथ राव की महत्वाकांक्षाओं का परिणाम था।
- ❖ इस युद्ध का अंत सालबई की संधि से हुआ था।

First War : (1775-1782)

1782

- ❖ This war was the result of Raghunath Rao's ambitions.
- ❖ The war ended with the Treaty of Salbai.

द्वितीय युद्ध : (1802-1805)

- ❖ बाजीराव द्वितीय की सुरक्षा अंग्रेजों के द्वारा की गयी थी ।
- ❖ अंग्रेजों ने इसे पुणे में रखा था ।

2nd War: (1802-1805)

- ❖ Bajirao 2nd was protected by the British.
- ❖ The British kept him in Pune.

वार्त्तिक - 25



तीसरा युद्ध: (1816-18)

- ❖ बाजीराव दितीय ने अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह कर दिया था ।
- ❖ अंग्रेजों ने इसे हराकर बिठूर भेज दिया था ।
- ❖ अंग्रेजों ने पेशवा का पद समाप्त कर दिया था ।
- ❖ बाजीराव दितीय अंतिम पेशवा था ।

Third War: (1816-18)

- ❖ Bajirao 2nd had rebelled against the British.
- ❖ The British had sent him to Bithoor by defeating him.
- ❖ The British had abolished the post of Peshwa.
- ❖ Bajirao 2nd was the last Peshwa.